E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंड जनजाति का तुलनात्मक अध्ययन

[1]आराधना धुर्वे

[1]सहायक प्राध्यापक (इतिहास विभाग),शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय, जहांगीराबाद, भोपाल, म.प्र.

[2]डॉ. अनिल दुबे

[2]शोध निर्देशक,प्राध्यापक इतिहास विभाग,शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल म.प्र.

Paper Rcevied date

05/04/2025

Paper date Publishing Date

10/04/2025

DOI

https://doi.org/10.5281/zenodo.15249450

ABSTRACT

गोंड जनजाति, भारत के सबसे बड़े स्वदेशी समुदायों में से एक है, जिसकी मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्यों में महत्वपूर्ण उपस्थिति है। एक सामान्य सांस्कृतिक पृष्ठभूमि साझा करने के बावजूद, इन दोनों क्षेत्रों में उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों, सांस्कृतिक प्रथाओं और आधुनिकीकरण के प्रभावों में उल्लेखनीय अंतर हैं। यह पत्र मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक संरचना, आर्थिक गतिविधियों और चुनौतियों की तुलना करना चाहता है। जबकि दोनों क्षेत्रों को आधुनिकीकरण और सरकारी हस्तक्षेपों के मामले में समान चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्षेत्रीय कारकों, ऐतिहासिक प्रभावों और सरकारी नीतियों के कारण परिवर्तन और अनुकूलन की सीमा भिन्न होती है। इस तुलनात्मक अध्ययन के माध्यम से, पेपर का उद्देश्य दोनों राज्यों में गोंड जनजाति की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों पर भूगोल, स्थानीय नीतियों और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रयासों के प्रभाव पर प्रकाश डालना है ।

मुख्यशब्द- गोंड जनजाति, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, सांस्कृतिक व्यवहार, सामाजिक-आर्थिक स्थिति, आधुनिकीकरण ।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

1. प्रस्तावना

गोंड जनजाति, भारत में एक प्रमुख स्वदेशी समूह है, जिसकी एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है जो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र (शर्मा, 2021) में फैली हुई है। ऐतिहासिक रूप से, गोंडों को उनकी जीवंत सांस्कृतिक प्रथाओं, सामाजिक संरचनाओं और पारंपरिक आजीविका के लिए जाना जाता है, जिसमें निर्वाह खेती, शिकार और सभा शामिल है (भारद्वाज, 2020)। हालांकि, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंड समुदाय का सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य क्षेत्रीय नीतियों, आर्थिक अवसरों और आधुनिकीकरण (कुमार, 2021) के कारण समय के साथ अलग-अलग विकसित हुआ है। इस अध्ययन का उद्देश्य इन दोनों राज्यों में गोंड जनजाति की सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की तुलना करना, उनके सामाजिक संगठन, आर्थिक गतिविधियों, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और सरकारी हस्तक्षेपों के प्रभाव में अंतर और समानता पर ध्यान केंद्रित करना है (वर्मा, 2019)। जबकि दोनों क्षेत्रों ने समान आधुनिकीकरण के दबाव देखे हैं, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विशिष्ट ऐतिहासिक, राजनीतिक और भौगोलिक संदर्भों ने गोंडों के जीवन को अलग तरह से आकार दिया है (सिंह और पटेल, 2022)।

2. मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंड जनजाति की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

2.1 मध्य प्रदेश में गोंड जनजाति: मध्य प्रदेश भारत में गोंडों की सबसे बड़ी आबादी का घर है। ऐतिहासिक रूप से गोंडवाना के रूप में जाना जाने वाला यह क्षेत्र कई गोंड राज्यों की सीट थी, जिसमें गोंडों ने 13वीं से 18वीं शताब्दी तक विशाल क्षेत्रों पर शासन किया था (शर्मा, 2021)। रानी दुर्गावती और गोंडवाना राजवंश जैसे उल्लेखनीय शासकों ने राज्य के इतिहास पर एक महत्वपूर्ण छाप छोड़ी है (कुमार, 2021)। हालांकि, मुगल आक्रमण और ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के बाद, गोंडों की राजनीतिक स्वायत्तता कम हो गई, और समुदाय राज्य के वन क्षेत्रों में कृषि आजीविका की ओर स्थानांतरित हो गया (भारद्वाज, 2020)।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

2.2 छत्तीसगढ़ में गोंड जनजाति: छत्तीसगढ़, जिसे 2000 में मध्य प्रदेश से अलग किया गया था, में गोंड आबादी भी गहरी है। छत्तीसगढ़ के गोंड एक समान ऐतिहासिक वंश साझा करते हैं, लेकिन उनकी विशिष्ट क्षेत्रीय विशेषताएं हैं (वर्मा, 2019)। छत्तीसगढ़ के घने जंगल, कृषि भूमि और आदिवासी परंपराएं गोंडों को उनकी निर्वाह-आधारित अर्थव्यवस्थाओं के लिए अधिक महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करती हैं (सिंह और पटेल, 2022)। मध्य प्रदेश की तरह, छत्तीसगढ़ में गोंडों ने अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में बदलाव देखा है, खासकर नए राज्य के गठन के बाद, जो स्थानीय विकास और कल्याण कार्यक्रमों पर केंद्रित था (राव और तिवारी, 2022)।

3. मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंड जनजाति की सांस्कृतिक प्रथाएं

3.1 सामाजिक संरचना और परिवार संगठन: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों में, गोंड एक कबीले-आधारित सामाजिक व्यवस्था बनाए रखते हैं। वे कुलों में विभाजित हैं, प्रत्येक जानवरों, पक्षियों या खगोलीय वस्तुओं जैसे प्राकृतिक तत्वों का प्रतिनिधित्व करने वाले विशिष्ट कुलदेवता से जुड़े हैं (शर्मा, 2021)। हालांकि, छत्तीसगढ़ में सामाजिक संगठन थोड़ा अधिक विकेंद्रीकृत है, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में समुदाय-आधारित शासन पर अधिक जोर दिया गया है (भारद्वाज, 2020)। पारिवारिक संरचना के संदर्भ में, जबकि दोनों क्षेत्रों में पारंपरिक रूप से विस्तारित परिवार प्रणालियों का अभ्यास किया जाता है, मध्य प्रदेश में शहरीकरण और भोपाल और इंदौर जैसे शहरों में प्रवास के कारण एकल परिवारों की ओर बदलाव अधिक स्पष्ट हुआ है (वर्मा, 2019)। छत्तीसगढ़ में, जहां अधिक लोग ग्रामीण परिवेश में रहते हैं, विस्तारित पारिवारिक संरचना अधिक मजबूती से बनी हुई है (कुमार, 2021)।

तालिका 1: गोंड समुदायों में पारिवारिक संरचना

क्षेत्र	परिवार व्यवस्था	सामाजिक संरचना	कबीले संगठन

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

मध्य प्रदेश	एकल परिवार	शहरी प्रभाव के साथ केंद्रीकृत	कुलदेवता के साथ कबीले आधारित
छत्तीसगढ़	विस्तारित परिवार	विकेन्द्रीकृत, ग्रामीण शासन	कुलदेवता के साथ कबीले आधारित

3.2 भाषा और कला: गोंडी भाषा, मुख्य रूप से मौखिक, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ गोंड दोनों के लिए केंद्रीय बनी हुई है। हालाँकि, मध्य प्रदेश में, गोंड शहरी क्षेत्रों में हिंदी या क्षेत्रीय बोलियाँ बोलने की अधिक संभावना रखते हैं, जबकि छत्तीसगढ़ में, गोंडी भाषियों ने अपनी भाषाई विरासत को अधिक बरकरार रखा है (सिंह और पटेल, 2022)। दोनों राज्यों में गोंड कला प्रकृति, जानवरों और मिथकों के जीवंत चित्रण के लिए पहचानी जाती है (राव और तिवारी, 2022)। हालांकि, छत्तीसगढ़ की गोंड कला को सरकारी पहलों के माध्यम से अधिक प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया गया है, जिसने इसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों (राष्ट्रीय जनजातीय विकास केंद्र, 2023) पर ऊंचा करने में मदद की है।

तालिका 2: गोंड समुदायों में भाषा और कला प्रतिधारण

क्षेत्र	भाषा प्रतिधारण	अन्य भाषाओं का प्रभाव	कला संवर्धन
मध्य प्रदेश	गोंडी का सीमित उपयोग	हिंदी और क्षेत्रीय बोलियाँ	सीमित राष्ट्रीय पहुंच
छत्तीसगढ़	गोंडी का मजबूत उपयोग	अन्य भाषाओं का न्यूनतम प्रभाव	राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहुंच

3.3 धार्मिक प्रथाएं: जबकि मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों के गोंड पारंपरिक रूप से जीववाद का अभ्यास करते थे, प्रकृति और पैतृक आत्माओं की पूजा करते थे, धार्मिक समन्वयवाद में एक उल्लेखनीय अंतर है। मध्य प्रदेश में, हिंदू प्रभावों को उनकी धार्मिक प्रथाओं (कुमार, 2021) में

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

अधिक गहराई से एकीकृत किया गया है, जबकि छत्तीसगढ़ में, गोंडों ने एनिमिस्टिक पूजा के अधिक विशिष्ट और मजबूत रूप को बरकरार रखा है, हालांकि हिंदू देवताओं को भी स्वीकार किया जाता है (वर्मा, 2019)। इस अंतर को अलग-अलग ऐतिहासिक संदर्भों और दोनों क्षेत्रों में मुख्यधारा की धार्मिक प्रथाओं के संपर्क की डिग्री के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

तालिका 3: गोंड समुदायों के बीच धार्मिक प्रथाएँ

क्षेत्र	प्राथमिक विश्वास	हिंदू धर्म का प्रभाव	एनिमिस्टिक प्रैक्टिस
मध्य प्रदेश	हिंदू प्रभाव के साथ जीववाद	मजबूत हिंदू एकीकरण	पारंपरिक प्रथाओं में कमी
छत्तीसगढ़	हिंदू प्रभाव के साथ जीववाद	सीमित हिंदू एकीकरण	पारंपरिक जीववाद का मजबूत प्रतिधारण

4. मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंड जनजाति की सामाजिक-आर्थिक स्थिति

4.1 आजीविका: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों में, गोंडों ने पारंपरिक रूप से निर्वाह खेती, शिकार और वन-आधारित गतिविधियों पर भरोसा किया है। हालांकि, अधिक शहरीकरण के कारण मध्य प्रदेश में आर्थिक बदलाव अधिक स्पष्ट हुआ है। ग्रामीण मध्य प्रदेश में, गोंडों ने मजदूरी श्रम, वाणिज्यिक खेती और छोटे पैमाने पर उद्यमिता में विविधता लाई है। दूसरी ओर, छत्तीसगढ़ के गोंड अभी भी कृषि, विशेष रूप से चावल की खेती पर अधिक निर्भर हैं, जो इस क्षेत्र में उपजाऊ भूमि और व्यापक जंगलों द्वारा सुगम है।

तालिका 4: मध्य प्रदेश बनाम छत्तीसगढ़ में गोंडों के प्राथमिक व्यवसाय (2021 सर्वेक्षण डेटा)

व्यवसाय का प्रकार	मध्य प्रदेश (%)	छत्तीसगढ़ (%)

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

पारंपरिक कृषि	35	45
व्यावसायिक खेती	22	18
मजदूरी श्रम (निर्माण)	25	20
वन आधारित आजीविका	8	10
सरकारी नौकरी	5	7
स्वरोजगार	5	3

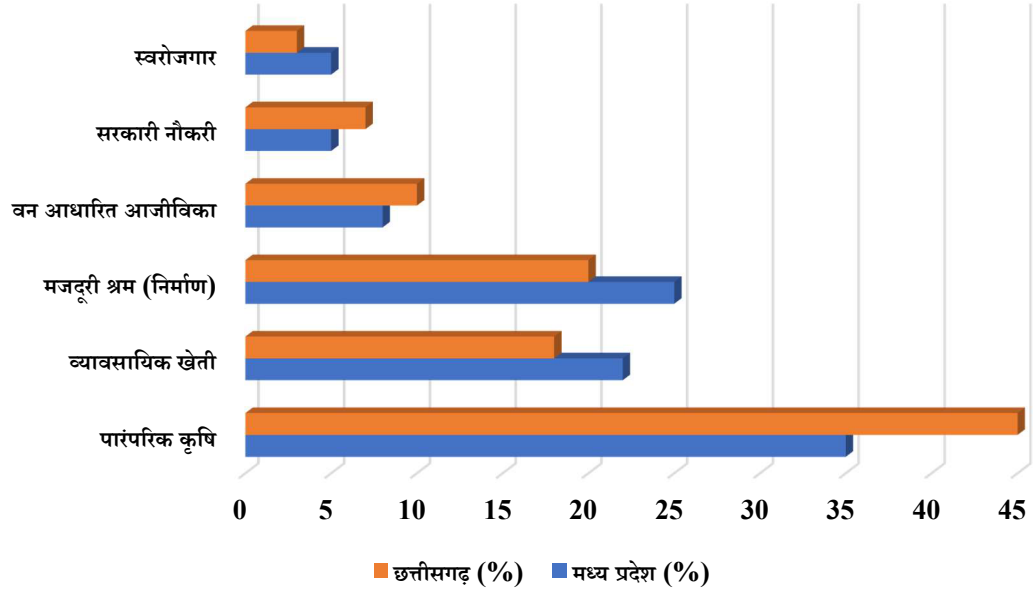

4.2 शिक्षा और साक्षरता: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों में शिक्षा पर मुख्य ध्यान दिया गया है, फिर भी महत्वपूर्ण चुनौतियां बनी हुई हैं। मध्य प्रदेश में, शहरी क्षेत्रों में साक्षरता दर में वृद्धि हुई है, लेकिन आदिवासी समुदायों को अभी भी भाषा अंतर, सामाजिक-आर्थिक कारकों और अपनी पारंपरिक संस्कृति से अलगाव जैसी बाधाओं का सामना करना पड़ता है (जनजातीय मामलों का

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

मंत्रालय, 2022)। छत्तीसगढ़ में, सरकार ने विशेष रूप से दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करने, गोंडी में स्कूलों की पेशकश करने और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील पाठ्यक्रम को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है। इन प्रयासों के बावजूद, दोनों राज्यों को अभी भी गरीबी, प्रवास और बुनियादी ढांचे की कमी जैसे कारकों के कारण विशेष रूप से आदिवासी बच्चों के बीच उच्च ड्रॉपआउट दर का सामना करना पड़ रहा है (जनजातीय मामलों का मंत्रालय, 2022)।

तालिका 5: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंडों के बीच शिक्षा की स्थिति (2021 सर्वेक्षण)

क्षेत्र	साक्षरता दर (%)	ड्रॉपआउट दर (%)	गोंडी माध्यम वाले जनजातीय स्कूल (%)	मुख्य चुनौतियाँ
मध्य प्रदेश	65	25	8%	भाषा बाधाएं, आर्थिक कठिनाई
छत्तीसगढ़	72	20	15%	सामाजिक-आर्थिक कारक, बुनियादी ढांचे के मुद्दे

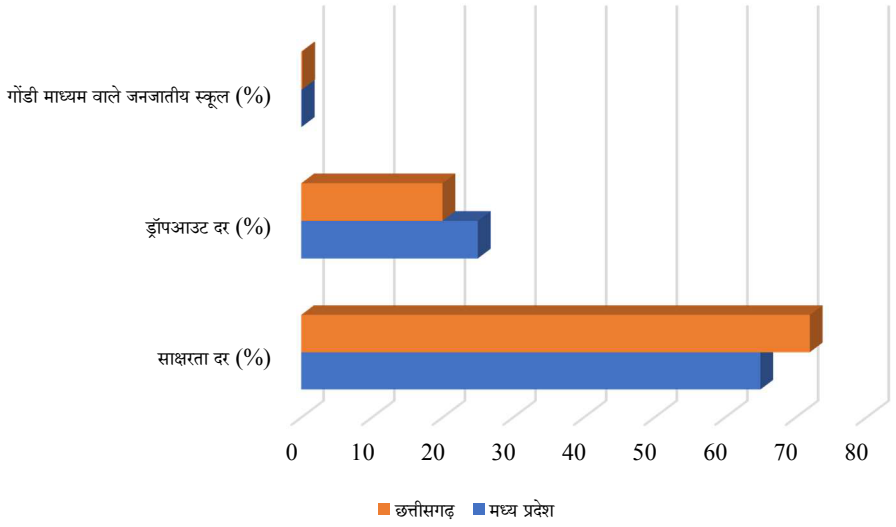

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

4.3 स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों में स्वास्थ्य सेवाएं ग्रामीण क्षेत्रों में अविकसित हैं, खासकर आदिवासी क्षेत्रों के भीतर। कुपोषण, खराब स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित पहुंच इन क्षेत्रों में गोंडों को प्रभावित करती है। सरकार ने इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए आयुष्मान भारत और राज्य-विशिष्ट स्वास्थ्य पहलों जैसे विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों को लागू किया है (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, 2023)। हालांकि, कई आदिवासी बस्तियों की दूरस्थता और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण, इन कार्यक्रमों को धीमी प्रगति और सीमित प्रभाव का सामना करना पड़ता है।

तालिका 6: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य की स्थिति और बुनियादी ढाँचा (2023)

क्षेत्र	स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच (%)	कुपोषण दर (%)	राज्य स्वास्थ्य कार्यक्रम उपलब्ध	प्रमुख स्वास्थ्य चुनौतियां
मध्य प्रदेश	58	40	आयुष्मान भारत, मप्र स्वास्थ्य मिशन	सीमित पहुंच, खराब स्वच्छता
छत्तीसगढ़	62	38	आयुष्मान भारत, सीजी हेल्थ मिशन	दूरस्थ क्षेत्र, स्वास्थ्य देखभाल की कमी

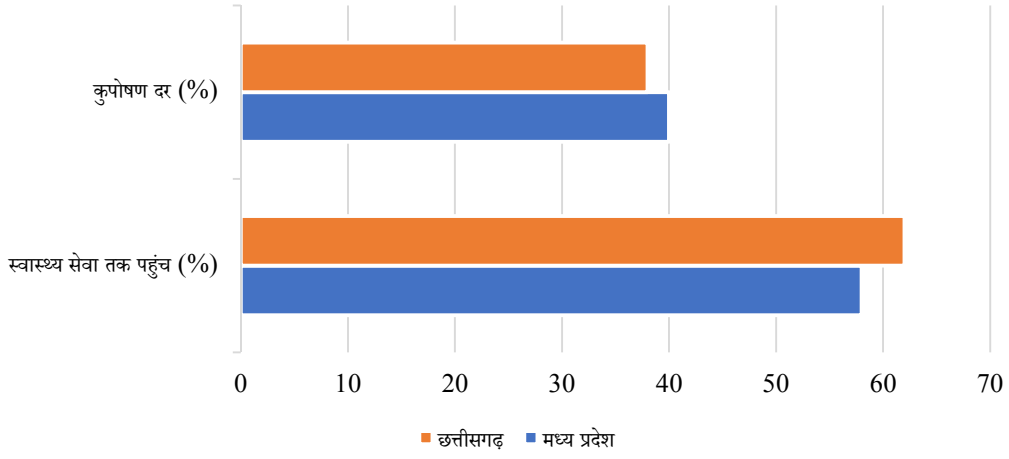

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

5. आधुनिकीकरण का प्रभाव

5.1 सांस्कृतिक क्षरण: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों में, मुख्यधारा के मीडिया, प्रवास और आधुनिकीकरण के प्रभाव के कारण गोंडों को सांस्कृतिक क्षरण का सामना करना पड़ा है। युवा पीढ़ी, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में, धीरे-धीरे पारंपरिक प्रथाओं से दूर जा रही है। हालांकि, छत्तीसगढ़ ने आदिवासी कला, भाषा और त्योहारों को बढ़ावा देने की पहल के माध्यम से गोंड संस्कृति को संरक्षित करने के लिए और अधिक ठोस प्रयास किए हैं (राव और तिवारी, 2022)।

5.2 आर्थिक बदलाव: मध्य प्रदेश में आर्थिक संक्रमण अधिक ध्यान देने योग्य रहा है, जहां गोंडों ने मजदूरी श्रम, वाणिज्यिक खेती और छोटे व्यवसायों में तेजी से भाग लिया है। इसके विपरीत, छत्तीसगढ़ के गोंड पारंपरिक आजीविका से अधिक बंधे हुए हैं, हालांकि राज्य के औद्योगिक विकास ने रोजगार पैटर्न में कुछ बदलाव किए हैं (इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 2023)।

6. निष्कर्ष

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों एक ही गोंड विरासत साझा करते हैं, लेकिन इन क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक परिदृश्य स्थानीय राजनीतिक, भौगोलिक और ऐतिहासिक कारकों के कारण काफी भिन्न हो गए हैं। जबकि मध्य प्रदेश के गोंडों ने शहरीकरण और आर्थिक विविधीकरण की ओर अधिक व्यापक बदलाव किया है, छत्तीसगढ़ में उन लोगों ने अपनी पारंपरिक कृषि प्रथाओं और सांस्कृतिक विरासत के साथ मजबूत संबंध बनाए रखा है। आधुनिकीकरण ने दोनों राज्यों में अवसरों और चुनौतियों को लाया है, लेकिन सांस्कृतिक संरक्षण के साथ प्रगति को संतुलित करने की आवश्यकता गोंडों के भविष्य के लिए केंद्रीय बनी हुई है। शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और रोजगार को बढ़ाने के लिए दोनों राज्यों में प्रयासों के साथ-साथ गोंड जनजाति की सांस्कृतिक पहचान की रक्षा करने की प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

7. संदर्भ

1. आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक। *गोंड जनजाति की बदलती अर्थव्यवस्था: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की एक केस स्टडी।* 58(17), 20-30.
2. कुमार, वी. (2021)। *छत्तीसगढ़ के गोंडों के बीच धार्मिक प्रथाएं और सांस्कृतिक संरक्षण*। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ट्राइबल स्टडीज, 15 (4), 102-115।
3. जनजातीय कार्य मंत्रालय। *भारत में जनजातीय शिक्षा: चुनौतियाँ और अवसर*। भारत सरकार। https://tribal.nic.in से लिया गया।
4. जनजातीय कार्य मंत्रालय। मध्य *प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आदिवासी समुदायों के लिए शैक्षिक पहल: प्रगति और चुनौतियों पर एक रिपोर्ट*। भारत सरकार। https://tribal.nic.in से लिया गया।
5. दास, ए., और मीना, एस. (2020)। *मध्य प्रदेश में गोंड जनजाति की आजीविका और सामाजिक-आर्थिक संक्रमण*। इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 55 (21), 74-77।
6. भारद्वाज, आर. (2020)। *मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के गोंडों की सामाजिक संरचनाएं और सांस्कृतिक व्यवहार*। जनजातीय अध्ययन जर्नल, 12 (3), 22-35।
7. योजना आयोग की रिपोर्ट। मध्य *प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आदिवासी आबादी के लिए विकास और कल्याणकारी योजनाएं*। भारत सरकार।
8. राव, पी., और तिवारी, ए. (2022)। *पारंपरिक प्रथाओं पर आधुनिकीकरण का प्रभाव: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंडों का एक अध्ययन*। जनजातीय सांस्कृतिक जर्नल, 10 (1), 58-67।
9. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन। मध्य *प्रदेश और छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा और बुनियादी ढांचा*। भारत सरकार। https://nhm.gov.in से लिया गया।
10. वर्मा, एस. (2019)। *मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में गोंड जनजाति के सामाजिक-आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका*। जर्नल ऑफ विमेंस स्टडीज, 22 (2), 90-105।

E-ISSN No: 2456-6713 Print ISSN No: 3048-6459

International Educational Applied Research Journal

Peer-Reviewed Journal-Equivalent to UGC Approved Journal

A Multi-Disciplinary Research Journal

11. शर्मा, एस. (2021)। *मध्य प्रदेश में गोंड संस्कृति: एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य*। जर्नल ऑफ इंडियन एंथ्रोपोलॉजी, 28 (2), 110-123।

12. सिंह, एस., और पटेल, आर. (2022)। *गोंड कला और सांस्कृतिक विरासत: भारत और उसके बाहर संवर्धन और मान्यता*। जर्नल ऑफ इंडियन आर्ट्स एंड कल्चर, 34 (1), 44-56।